**सर्वप्रथम नराकास अध्यक्ष ने सदस्यों की संख्या कम होने पर खेद व्यक्त करते हुये कहा कि इस बैठक का बहुत बड़ा महत्व होता है और सभी सदस्यों को इस बैठक में हिस्सा लेना चाहिए।** अध्यक्षजी ने ऐजेण्डा पर चर्चा करते हुये कहा कि सभी सदस्य कार्यालयों से त्रैमासिक रिपोर्ट प्राप्त न होने के कारण समय पर समेकित तिमाही रिपोर्ट नहीं भेजी जा रही है इसलिये समय पर त्रैमासिक रिपोर्ट जमा करें। आगे उन्होंने कहा कि सदस्यों की संख्या कम और भागीदारी कम होने से भोपाल और दिल्ली ने गम्भीरता से लिया है इसलिये सभी सदस्यों से उपस्थित रहने का अनुरोध किया। उपस्थित सदस्यों ने एक मत हो कर कहा जो सदस्यों अनुपस्थित हुये उनके लिए अलग से पत्र जारी कर उनके मुख्यालय को भेजे ताकि मुख्यालय भी अनुपस्थित होने पर कार्यावाही कर सके। ऐजेण्डा बिन्दु को आगे बढ़ाते हुये कहा कि जिन कार्यालयो में हिन्दी का सॉफ्टवेयर उपलब्ध नहीं है वे यूनिक कोड का इस्तेमाल कर सकते हैं। और डाउनलोड के लिये बीएसएनएल के हिन्दी अधिकारी की सेवाएं ली जा सकती हैं। हिन्दी अधिकारी जी को फोन या पत्र द्वारा सूचित करके अपने कार्यालय में आमंत्रित किया जा सकता है साथ में ऑनलाइन रिपोर्ट जो भेजी जानी है उसकी भी जानकारी हिन्दी अधिकारी से उनके कार्यालय में जा कर या अपने कार्यालय में, पत्र और मोबाइल से सूचना देकर सेवाऐं ली जा सकती है।

नराकास को विस्तृत करने के लिये केन्द्रीय बैंकों के कुछ नये विभागों को भी नगर राजभाषा की बैठक में शामिल करने की पहल करनी चाहिए। इस कार्य को सम्पादित करने का कार्य भारतीय स्टेट बैंक के श्री प्रकाश तिवारी को सौंपा गया। लेकिन इस बैठक में भारतीय स्टैट बैक से कोई भी सदस्य उपस्थित नहीं हुआ जिससे इसकी प्रगति पर चर्चा नहीं हो सकी। केन्द्रीय विद्यालय के प्राचार्य श्री विशन सिंह राठौड़ ने नवोदय विद्यालय, नौगॉव को जोड़ने के लिए अपना प्रस्ताव रखा जिसे सबने मान्य किया।

दि न्यू इडिया इंश्योरेस के श्री अनिल कुमार मिश्र ने कहा कि नराकास छतरपुर से जो पत्र जारी होते है उन पत्रों में कार्यालय का फोन नम्बर भी अंकित किया जाये। इसके उपरान्त नराकास छतरपुर की ओर से राजभाषा की पत्रिका प्रकाशित करने पर जोरदार चर्चा हुई। सभी सदस्यों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये। पत्रिका का प्रकाशन होने के लिये यह निर्णय लिया गया कि 30 जून, 2015 तक आलेख प्राप्त हो जाये और जुलाई में सम्पादन का कार्य पूर्ण किये जाने के बाद हिन्दी पखवाडे मे इसका विमोचन किया जाये। इस कार्य के लिये बीएसएनएल के हिन्दी अधिकारी श्री प्रेम नारायण अहिलवाल, केन्द्रीय विद्यालय की श्रीमती संगीता सक्सेना, स्टेट बैंक के श्री प्रकाश तिवारी, दूरदर्शन केन्द्र के श्री लक्ष्मी प्रसाद जी और नराकास सचिव श्री दिनेश रजक के पास आलेख/रचनाएँ जमा किये जायें। यह प्रस्तावित नाम एक कोर कमेटी की तरह कार्य करेगी। इस मौके पर श्री लक्ष्मी प्रसाद जी ने अपनी रचना भी प्रकाशित करने के लिये नराकास सचिव को दी।

क्षेत्रीय प्रचार कार्यालय, छतरपुर के अधिकारी श्री डी0 एन0 अग्निहोत्री ने बैठक का महत्व बताते हुये कहा कि **मैं सारे कार्य छोड़ कर छिंदवाड़ा से इस बैठक में उपस्थित हुआ हुं, जो उपस्थित नहीं हुये है उनके साथ कठोर कार्रवाई होनी चाहिये**, का प्रस्ताव रखा इसके बाद उपस्थित सदस्यों ने इसका समर्थन करते हुए कहा कि मुख्यालय सहित कार्यालय को अलग से पत्र के माध्यम से इस बारे में सूचित किया जाए।

इसके बाद उपस्थित कुछ सदस्यों ने हिन्दी की त्रैमासिक रिपोर्ट नराकास सचिव के पास जमा किये। इस पर नराकास सचिव ने सब से अनुरोध किया की समय पर रिपोर्ट जमा करें और सचिव ने धारा–3(3) का उल्लेख करते हुये कहा की पत्र आदेश, कार्यालय आदेश, नाम पट्टी, चैक, ड्राफ्ट इत्यादि सभी हिन्दी में लिखें जिससे हिन्दी का ज्यादा ज्यादा लोग लाभ उठा सकें।

**अंत में नराकास अध्यक्ष ने बैठक में सदस्यों की कम संख्या पर पुनः खेद व्यक्त किया और अगामी बैठक में अधिक से अधिक संख्या में सदस्यों की उपस्थित होने की आशा के साथ बैठक का समापन करते हुये सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया।**

(दिनेश रजक)
सचिव
नराकास छतरपुर म0प्र0